१२

शतरंज में मात

कविता का सारांश

यह एक हास्यपूर्ण नाटक है जिसमें तेनालीरामन की बुद्धिमानी और चतुराई को दर्शाया गया है। राजा कृष्णदेव राय के दरबार में कुछ दरबारी तेनालीरामन से ईर्ष्या करते हैं और उसे नीचा दिखाने के लिए योजना बनाते हैं। वे राजा को शतरंज का मुकाबला तेनालीरामन से करने के लिए उकसाते हैं। राजा भी तेनाली को शतरंज खेलने के लिए आदेश देते हैं।

तेनालीरामन वास्तव में शतरंज खेलना नहीं जानते, लेकिन दरबारियों की साजिश को समझकर जानबूझकर गलत चालें चलते हैं, जिससे राजा नाराज़ हो जाते हैं और उसे दंडस्वरूप सिर मुंडवाने का आदेश देते हैं।

परंतु अपनी चतुराई से तेनाली राजा को यह कहकर रोक लेते हैं कि उनके बालों पर उन्होंने 5000 अशर्फियाँ उधार ली हैं और बिना ऋण चुकाए बाल कटवाना अनुचित होगा। इसके बाद वे यह भी कहते हैं कि जब तक उनके माता-पिता स्वर्ग न सिधारें, वे मुंडन नहीं करा सकते – और अब उनके माता-पिता तो राजा स्वयं हैं। यह सुनकर राजा घबरा जाते हैं और दंड माफ कर देते हैं।

पाठ का उद्देश्य:
इस नाटक के माध्यम से बच्चों को यह सिखाया जाता है कि बुद्धिमानी और चतुराई से कठिन से कठिन परिस्थिति को भी हल किया जा सकता है। साथ ही, यह नाटक हास्य और व्यंग्य से भरपूर है, जो छात्रों को आनंदित करता है।

नए शब्द

दरबारी	:-	सेवक, अमात्य, सभासद	आज्ञा	:-	आदेश, हुक्म, निर्देश
कान पक गए हैं	:-	ऊब गए हैं, तंग आ गए हैं	चतुर	:-	बुद्धिमान, समझदार, होशियार
मुकाबला	:-	स्पर्धा, प्रतियोगिता, द्वंद्व	मुँडन	:-	सिर मुंडवाना, केशत्याग
सुझाव	:-	परामर्श, राय, प्रस्ताव	नाई	:-	केशकार, हजाम
घाघ	:-	चालाक, होशियार, चतुर	अशर्फियाँ	:-	सोने के सिक्के, मुद्राएँ
तुच्छ	:-	छोटा, नगण्य, महत्वहीन	ऋण	:-	कर्ज, उधारी, देनदारी
सेवक	:-	नौकर, परिचारक, सहायाक	धूर्तता	:-	चालाकी, मक्कारी, कपट
चाल	:-	दाँव, पैंतरा, योजना	दंड	:-	सजा, प्रायश्चित, दण्ड
अनाड़ी	:-	अकुशल, अनुभवहीन, मूर्ख	माहिर	:-	निपुण, कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ

www.onepointlearning.com
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

बातचीत के लिए

1. आपको यह नाटक कैसा लगा और क्यों?

उत्तर: यह नाटक मुझे बहुत अच्छा लगा क्योंकि इसमें तेनालीरामन की चतुराई और बुद्धिमानी बहुत रोचक तरीके से दिखाई गई है। यह नाटक मनोरंजक और सिखाने वाला भी है।

2. आपने तेनालीरामन के किस्सों की तरह और किसके बुद्धिमानी के किस्से सुने हैं? उनमें से कोई एक सुनाइए।

उत्तर: मैंने अकबर और बीरबल के किस्से सुने हैं। एक बार बीरबल ने एक मूर्ख को यह कहकर समझाया कि अगर वह हर समय बोलता रहेगा, तो लोग उसे बुद्धिमान नहीं मानेंगे।

3. तेनालीरामन की तरह क्या आपने भी कभी किसी कठिन परिस्थिति को संभाला है? यदि संभाला है तो कैसे?

उत्तर: एक बार मेरी पेंसिल टूट गई और परीक्षा चल रही थी, तब मैंने अपने दोस्त से चुपचाप इशारे से पेंसिल मांगी और परीक्षा पूरी की।

4. यदि तेनालीरामन शतरंज का खेल जानते तो नाटक का अंत क्या होता?

उत्तर: यदि तेनालीरामन शतरंज का खेल जानते तो वे चतुराई से राजा को हरा देते और दरबारियों की योजना असफल हो जाती।

सोचिए और लिखिए

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाठ के आधार पर दीजिए:

(क) सभी दरबारी तेनालीरामन से ईर्ष्या क्यों करते थे?

उत्तर: क्योंकि तेनालीरामन राजा के प्रिय थे और उनकी चतुराई की सभी प्रशंसा करते थे।

(ख) दरबारियों ने राजा से तेनालीरामन के बारे में क्या कहा?

उत्तर: दरबारियों ने कहा कि तेनालीरामन बहुत अच्छा शतरंज खिलाड़ी है और बड़े-बड़ों को मात दे चुका है।

(ग) शतरंज खेलते समय राजा को तेनालीरामन पर क्रोध क्यों आ रहा था?

उत्तर: क्योंकि तेनाली जान-बूझकर गलत चालें चल रहे थे और राजा को लग रहा था कि वे मज़ाक कर रहे हैं या जानबूझकर हार रहे हैं।

(घ) तेनालीरामन ने मुंडन से बचने के लिए क्या चाल चली?

उत्तर: उन्होंने कहा कि उनके बालों पर उन्होंने पाँच हजार अशर्फियाँ उधार ली हैं और बिना ऋण चुकाए वे मुंडन नहीं करा सकते। फिर उन्होंने यह भी कहा कि उनके माता-पिता अब राजा हैं, और राजा के जीवित रहते वे मुंडन नहीं करा सकते।

www.onepointlearning.com
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

(ङ) घर में खेले जाने वाले खेलों में आपको सबसे अच्छा खेल कौन-सा लगता है? वह खेल कैसे खेला जाता है?

उत्तर: मुझे साँप-सीढ़ी का खेल सबसे अच्छा लगता है। इसे पासे फेंककर खेला जाता है और जो खिलाड़ी पहले 100 तक पहुँचता है, वह जीतता है। साँप नीचे गिराते हैं और सीढ़ियाँ ऊपर चढ़ाती हैं।

2. किसने, किससे कहा?

(क) "शतरंज? क्या तेनालीरामन शतरंज के शौकीन हैं?"

→ राजा ने दरबारियों से कहा।

(ख) "और यह है मेरा दाँव।"

→ तेनालीरामन ने राजा से कहा।

(ग) "अरे, इतने महान आदमी का मुंडन!"

→ नाई ने राजा से कहा।

(घ) "हाँ महाराज, बड़े-बड़ों को मात दी है तेनाली ने।"

→ पहले दरबारी ने राजा से कहा।

(ङ) "उठो, उठो! तुम्हें कोई दंड नहीं मिल रहा है।"

→ राजा ने नाई से कहा।

भाषा की बात

1. दिए गए शब्दों का मिलान उनके समान अर्थ वाले शब्दों से कीजिए—

शब्द	अर्थ
प्रशंसा	बड़ाई
युक्ति	उपाय
मात	हार
घाघ	चालाक
माहिर	कुशल
न्योता	आमंत्रण

2. मटके में से उपयुक्त विशेषण चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

महान, नई, पाँच हज़ार, चतुर, गूढ़, कुशल

- कुशल खिलाड़ी
- नई चाल
- महान आदमी
- चतुर चाल
- पाँच हज़ार अशर्फियाँ
- गूढ़ तेनाली

www.onepointlearning.com
One Point Learning

3. हर संवाद किसी-न-किसी मनोभाव को अभिव्यक्त करता है। उदाहरण के लिए—

तेनाली - (चकित) शतरंज और मैं! शतरंज के विषय में मैं कुछ नहीं जानता, महाराजा।

राजा - (क्रोधित) मुझे सब पता है तेनाली। बात अब छिप नहीं सकती।

(दरबारियों से) क्यों?

आप भी निम्नलिखित मनोभावों को संवाद के रूप में लिखिए—

प्रसन्न – "मेरी खोई हुई पुस्तक मिल गई!"

चकित – "क्या? तुमने अकेले ही पूरा काम कर लिया?"

शांत – "कोई बात नहीं, अगली बार और अच्छा करेंगे।"

दुखी – "मुझे बहुत दुख हुआ कि मैं प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सका।"

4. नीचे दी गई सूचना के आधार पर नए शब्दों का निर्माण कीजिए—

इस प्रश्न में दिए गए अर्थ के आधार पर "आ" से शुरू होने वाले नए शब्दों का निर्माण करना है। नीचे उत्तर दिए गए हैं:

पाठ से आगे

1. शतरंज के प्रत्येक मोहरे की चाल अलग-अलग होती है। शतरंज के मोहरों की चाल पता कीजिए और लिखिए—

घोड़े की चाल – घोड़ा "एल" (L) के आकार में चलता है। दो घर सीधे और फिर एक घर दाएं या बाएं।

– यह अकेला मोहरा है जो किसी भी मोहरे को कूदकर पार कर सकता है।

हाथी की चाल – हाथी सीधी रेखा में चलता है – आगे, पीछे, दाएं या बाएं।

– वह एक बार में कई घर चल सकता है जब तक रास्ता खाली हो।

मंत्री की चाल – मंत्री सबसे शक्तिशाली मोहरा है। यह तिरछी और सीधी – दोनों चालें चल सकता है।

– यह किसी भी दिशा में कई घर तक जा सकता है।

राजा की चाल – राजा एक समय में एक ही घर चलता है – किसी भी दिशा में।

– उसकी सुरक्षा सबसे जरूरी होती है।

www.onepointlearning.com
One Point Learning

ऊँट की चाल – ऊँट सिर्फ तिरछी (diagonal) चाल चलता है।
– वह भी कई घर एक साथ चल सकता है, बशर्ते रास्ता खाली हो।

प्यादा (सिपाही) की चाल – प्यादा सिर्फ सामने की ओर एक घर चलता है।
– पहले चाल में वह दो घर भी चल सकता है।
– मारते समय वह तिरछे एक घर चलता है।

2. चित्र के साथ खेल के नाम का मिलान कीजिए। साथ ही यह भी लिखिए कि आप की स्थानीय भाषा में इस खेल को क्या कहते हैं—

खेल का नाम	खेल का चित्र	आपकी भाषा में नाम
लट्टू		लट्टू
साँप-सीढ़ी		साँप-सीढ़ी
राजा-मंत्री-चोर-सिपाही		राजा-मंत्री-चोर-सिपाही
गुट्टे		गोटियाँ / गुट्टे
अष्टा-चक्कन		पच्चीसी / चौसर / अष्टा-चक्कन

पुस्तकालय या अन्य स्रोत से

(क) तेनालीरामन के किस्सों की पुस्तक अपने पुस्तकालय या किसी अन्य स्रोत से लेकर पढ़िए।

उत्तर: मैंने पुस्तकालय से 'तेनालीरामन के किस्से' नामक पुस्तक लेकर पढ़ी। इसमें तेनालीरामन की चतुराई और हाज़िरजवाबी से भरे कई मज़ेदार किस्से थे। उन्होंने अपनी बुद्धिमानी से कई बार राजा और दरबारियों की कठिन समस्याओं को हल किया। उनके किस्से रोचक होने के साथ-साथ हमें सीख भी देते हैं।

www.onepointlearning.com
© NCERT not to be republished
One Point Learning

(ख) 'तेनालीरामन के किस्से' नाम से मित्र-मंडली की एक बैठक आयोजित कर तेनालीरामन की बुद्धिमत्ता के किस्से सुनाइए।

उत्तर: हमने 'तेनालीरामन के किस्से' नाम से एक मित्र-मंडली की बैठक आयोजित की। उसमें सभी बच्चों ने तेनालीरामन की कहानियाँ सुनाईं। मैंने "तेनालीरामन और चोरी का पर्दाफाश" नामक किस्सा सुनाया, जिसमें तेनालीरामन ने एक अनोखे तरीके से चोर को पकड़वाया। सभी बच्चों ने खूब मज़ा लिया और तेनालीरामन की चतुराई की तारीफ़ की।

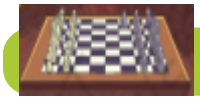

शतरंज की भूल-भुलैया

केवल नाम वाले शब्दों (संज्ञा) को एक-दूसरे से मिलाते हुए मंत्री को राजा तक पहुँचाइए। ध्यान रहे कि आपको संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया को आपस में नहीं मिलाना है।

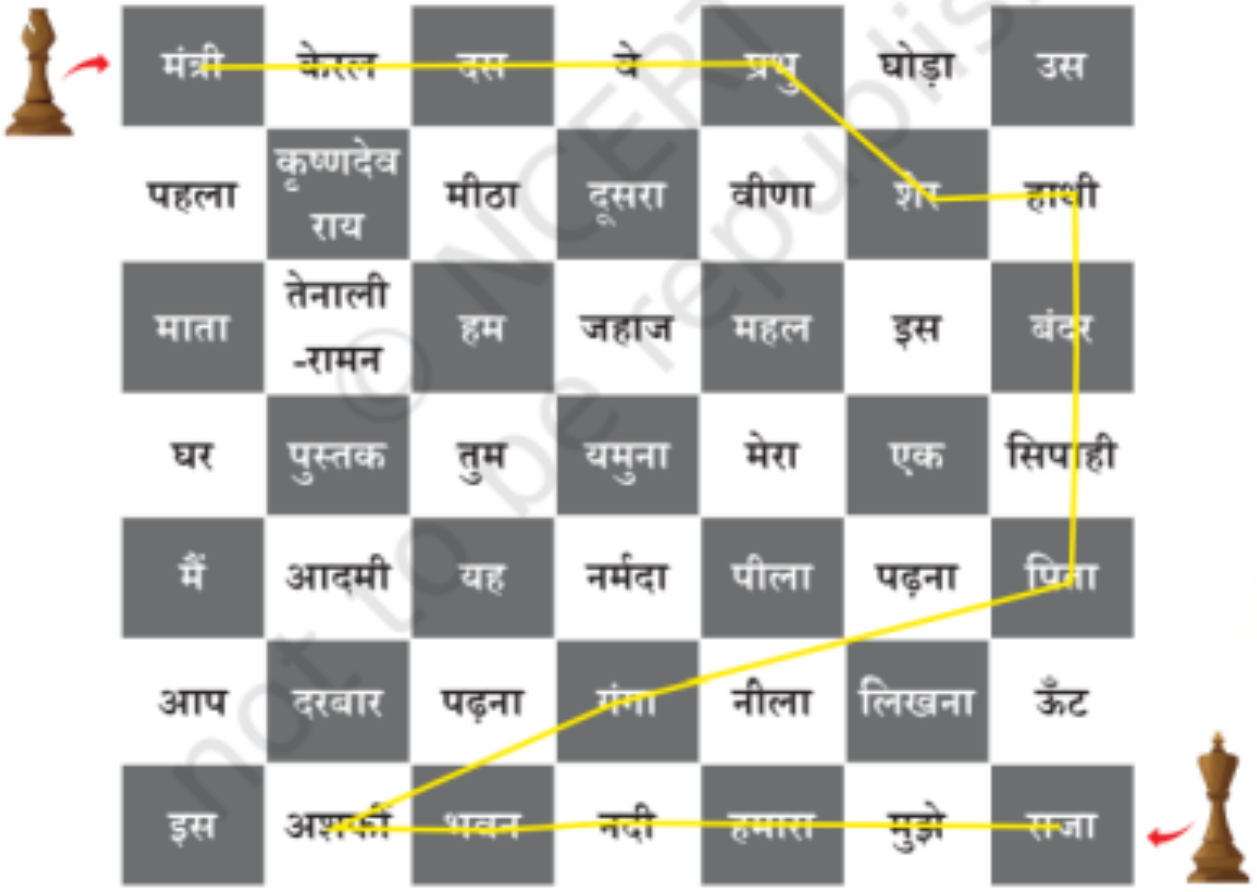

www.onepointlearning.com
© NCERT not to be republished
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com